राम निरीक्षण आत्माराम महाविद्यालय, समस्तीपुर

(ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा की अंगीभूत इकाई)

स्थापित सन्-1968

CBCS कोर्स के अंतगर्त 4 वर्षीय बी०ए०, बी०एससी० तथा एम०ए०
(हिन्दी एवं राजनीति विज्ञान) स्तर तक शिक्षण की व्यवस्था

महाविद्यालय - विवरणिका

COLLEGE PROSPECTUS

प्रो० दिलीप कुमार

प्रधानाचार्य

संस्थापक

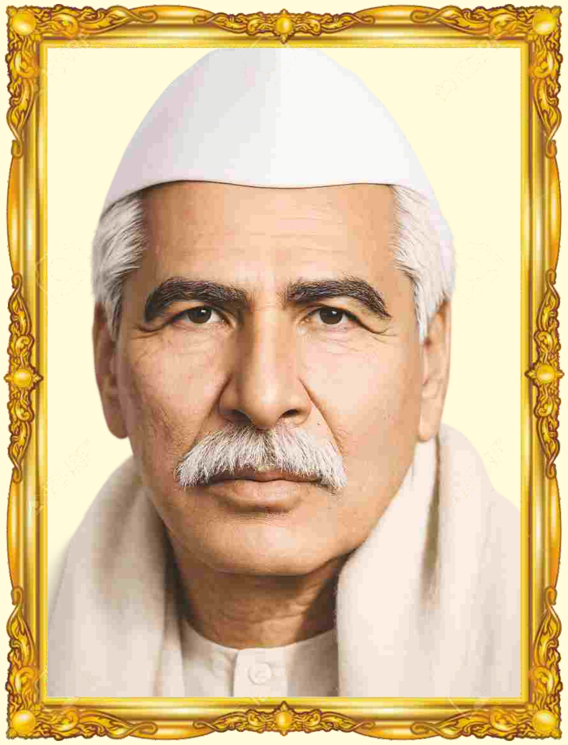

स्मृतिशेष पं. राम निरीक्षण सिंह

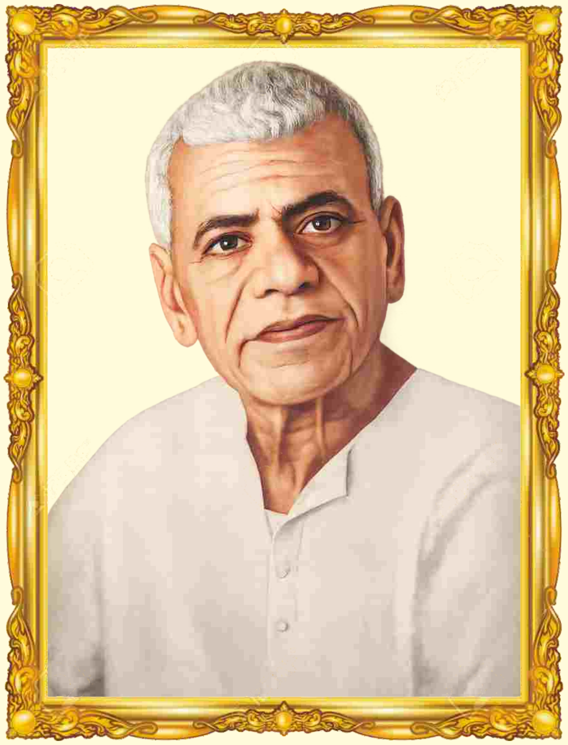

स्मृतिशेष आत्माराम मिश्र

महाविद्यालय की भू-सम्पदा (दरबा, प्रखण्ड-पटोरी) का बेहतर प्रबंधन हेतु मुआयना करते प्रधानाचार्य एवं अन्य शिक्षक

प्रधानाचार्य-सन्देश

प्रिय छात्र–छात्राओं, सम्मानित अभिभावक गण एवं हमारे महाविद्यालय के सभी शुभचिंतकों को महाविद्यालय परिवार की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएँ।

आपके हाथ में इस विवरणिका का होना यह दर्शाता है कि आपने या आपके किसी धनिष्ठ ने अपने भविष्य को गढ़ने, अपने सुनहरे सपनों को साकार करने के लिए राम निरीक्षण आत्माराम महाविद्यालय का चयन किया है, जो आर. एन. ए. आर. कॉलेज के नाम से लोकप्रिय है।

इस विवरणिका में महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय, विभिन्न विभागों एवं उनके संकाय–सदस्यों के विवरण के साथ–साथ महाविद्यालय के प्रशासनिक एवं कार्यालयी व्यवस्थाओं की जानकारियाँ दी गई है। इस विवरणिका के माध्यम से आप सभी सरकार द्वारा लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत सी.बी.सी.एस. आधारित स्नातक (सेमेस्टर–1) के पाठ्यक्रम, महाविद्यालय की प्रमुख विशेषताएं तथा विगत सत्र में संपन्न हुए महाविद्यालय के कुछ प्रमुख गतिविधियों से परिचित होंगे।

महाविद्यालय परिवार नये शैक्षणिक सत्र में प्रवेश कर रहे भविष्य के कर्णधारों का उत्सुकता से स्वागत करने के लिए प्रतिक्षारत् है। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर सहकर्मियों ने साथ मिलकर इस प्रतिष्ठित महाविद्यालय को एक विशेष पहचान दिलाने की सतत कोशिश की है। हम सभी के सतत प्रयास का ही प्रतिफल रहा कि विगत सत्र से ही महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान और हिन्दी विषय में स्नातकोत्तर (P.G.) की पढ़ाई प्रारंभ हो गयी है।

हमारी हर संभव कोशिश रही है कि हम अपने छात्र–छात्राओं में अंतर्निष्ट बहुमुखी प्रतिभाओं को निखार सकें तथा उन्हें अपने सपनों को साकार करने और अपने कैरियर को ऊँची उड़ान देने योग्य बनाकर समाज और देश को एक सजग, सृजनशील और सक्षम व्यक्तित्व के रूप में सौंपें, ताकि वे निरंतर प्रतिस्पर्धी हो रहे वैश्विक पटल पर रचनात्मक छाप छोड़ सकें।

समावेशी (Inclusive) और कैरियर–उन्मुख (Job - Oriented) शिक्षा प्रदान करने के अपने लक्ष्य को संज्ञान में रखते हुए महाविद्यालय में स्मार्ट क्लास रूम, ऑन–लाईन अध्ययन सामग्री, अतिरिक्त डाउट/रेमेडियल क्लासेज, इत्यादि की व्यवस्था की गयी है, साथ ही पठन–पाठन की प्रक्रिया को सहज, रोचक तथा यथासंभव व्यावहारिक बनाने की निरंतर कोशिश भी रही है। हम अपने छात्र–छात्राओं को सिर्फ पढ़ाई के पारंपरिक क्षेत्र में ही नहीं, वरन् कैरियर से संबंधित प्रतियोगी क्षेत्रों के लिए आवश्यक कौशल निर्माण के साथ–साथ खेल–कूद तथा कला संस्कृति

के विभिन्न विधाओं में भी पारंगत बनाने को प्रतिबद्ध हैं। इस उद्देश्य–पूर्ति हेतु हमने अपने विद्वान एवं कर्मठ शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर साथियों के सहयोग से छात्र–छात्राओं की शैक्षणिक क्षमताओं के उत्तरोत्तर विकास हेतु विशेष व्याख्यान–मालाओं का आयोजन किया है। जिसमें पाठ्यक्रम से जुड़े विषयों की गूढ़ता को सहज बनाने हेतु दूसरे शैक्षणिक संस्थानों से विषय–विशेषज्ञों को आमंत्रित कर व्याख्यान माला का आयोजन किया जाता रहा है। इसी तरह विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों पर कई रचनात्मक आयोजन यथा भाषण प्रतियोगिता, लेखन–प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, गायन–वादन आदि के द्वारा छात्र–छात्राओं के प्रतिभाओं को पहचानने, निखारने तथा उन्हें बड़ा मंच देने की हमारी निरंतर कोशिश रही है।

हमारे महाविद्यालय में खेलकूद अपने विभिन्न स्वरूपों में प्रत्येक वर्ष, वार्षिक खेल प्रतियोगिता के तहत आयोजित होती रही है, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को हम विश्वविद्यालय और आगे की प्रतियोगिताओं में भेजते रहे हैं। इन प्रतियोगिताओं में हमारे कुछ प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायी है। ऐसे प्रतियोगियों के खेल प्रतिभा को तराशने में महाविद्यालय में अवस्थित बड़ा खेल मैदान, विभिन्न खेल उपकरणों से सुसज्जित एक इंडोर गेम, एक रनिंग ट्रैक, तथा बास्केटबॉल–कोर्ट जैसे आधारभूत सुविधाओं की महती भूमिका रही है।

हमारे महाविद्यालय में एक आधुनिक और सुसज्जित पुस्तकालय है, जिसे विस्तारित करते हुए हमने विगत सत्र से नवीनतम पत्र–पत्रिकाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की है, साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं के दृष्टिगत आवश्यक सामग्रियों से युक्त एक बड़ा अध्ययन कक्ष तैयार किया है, जहां छात्र–छात्राएं कक्षाओं के अलावा अतिरिक्त समय में बैठकर अपनी संभावनाओं को निखारते हैं।

महाविद्यालय अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन अपनी वार्षिक पत्रिका 'संकल्प' के माध्यम से करता रहा है। यह पत्रिका महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षकों तथा शिक्षकेत्तर कर्मियों के विचारों, नवाचारों एवं अनुभूतियों की अभिव्यक्ति का माध्यम प्रदान कर उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने में मदद करता है, साथ ही उनके सृजनशीलता और लेखन कौशल को भी नया आयाम प्रदान करता है।

महाविद्यालय में आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों यथा– गायन, वादन, नृत्य, लघु–नाटिका एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) प्रायोजित अन्य कार्यक्रम ने हमारे छात्र–छात्राओं के बहुमुखी प्रतिभा को उभारने, निखारने और उसे शानदार कौशल में बदलने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुझे बताते हुए हर्ष हो रहा है कि हमारे महाविद्यालय के दर्जनों छात्र–छात्रायें विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताओं के विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कई पदक हासिल किये हैं।

मैं आशा करता हूँ कि यह महाविद्यालय–विवरणिका आपके सुंदर और महत्वाकांक्षी सफर का आधार बनेगा और आप इस महाविद्यालय की पहचान और इसकी गरिमा को उँचा करने में अपना सक्रिय और रचनात्मक योगदान देंगे। हम अपने सभी छात्र–छात्राओं की शैक्षणिक प्रगति और उनके जीवन से जुड़े सपनों को उड़ान देने के लिए उनका हम कदम बनने को संकल्पित हैं तो आइए हम आपस में जुड़कर एक–दूसरे की पहचान बनें और अपने महाविद्यालय को बिहार के श्रेष्ठ महाविद्यालयों में शुमार करें! हमारे साथ जुड़ने के लिए आपका आभार!

आपके उज्जवल भविष्य और कीर्तिमय जीवन की शुभकामनाएं!

प्रो० दिलीप कुमार
प्रधानाचार्य

हमारा महाविद्यालय

राम निरीक्षण आत्मा राम महाविद्यालय, समस्तीपुर : एक परिचय

बिहार विद्यापीठ के प्राध्यापक रह चुके प्रखर विद्वान और भारत के प्रथम राष्ट्रपति 'भारत–रत्न' डॉ. राजेंद्र प्रसाद के करीबी दोस्त पं. राम निरीक्षण सिंह जी की स्मृति में उनके योग्य पुत्र श्री गिरीश बाबू (एडवोकेट) ने अपने भाइयों और गांव के कुछ शिक्षानुरागियों जिनमें श्री बालेश्वर राम (तत्कालीन मंत्री), श्री अमरेश बाबू (मजिस्ट्रेट) प्रमुख थे, के सलाह, समर्थन और सहयोग से बिहार राज्य के तत्कालीन दरभंगा जिले के समस्तीपुर उप–मंडल के अंतर्गत दलसिंहसराय प्रखंड में स्थित अपने पैतृक गाँव 'समर्था' में एक सह–शिक्षा संस्थान 1968 में शुरू किया, जिसका नाम राम निरीक्षण स्मारक महाविद्यालय रखा गया। कुछ ही समय बाद इसके संस्थापक सदस्यों के द्वारा महाविद्यालय को बड़े फलक पर विस्तारित करने के उद्देश्य से 1969 में महाविद्यालय को समस्तीपुर स्थानांतरित कर के लाया गया। यहाँ महाविद्यालय पहले मॉडल हाई स्कूल बहादुरपुर, समस्तीपुर के प्रांगण में और ततपश्चात अन्यत्र निजी और सार्वजनिक परिसरों में छोटी–छोटी अवधि तक संचालित होता रहा। तदुपरांत अपने वर्तमान स्थान, जो कि समस्तीपुर के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के केन्द्र बिंदु पर स्थित है, पर अपने संस्थापकों के द्वारा क्रय की गयी और कुछ परोपकारी और समाजसेवी लोगों के द्वारा दान में दी गयी भू–सम्पदा से एकत्रित हुयी भूमि पर स्थानांतरित कर के लाया गया। यहाँ एक अन्य परोपकारी स्वर्गीय पं. आत्मा राम मिश्रा के योग्य पुत्र श्री दाता राम मिश्र के द्वारा महाविद्यालय के पुनरुत्थान के लिए एक बड़ी राशि दान की गयी थी, जिसके बाद महाविद्यालय के नाम में बदलाव करते हुए राम निरीक्षण आत्मा राम महाविद्यालय, समस्तीपुर कर दिया गया। महाविद्यालय अपनी स्थापना के समय में बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर से संबद्ध था, 1972 में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद इसे यहां से संबद्धता प्राप्त हुआ और 1979 में महाविद्यालय इसी विश्वविद्यालय का अंगीभूत इकाई बन गया। महाविद्यालय वर्तमान में यू.जी.सी. अधिनियम की धारा 2 (F) एवं धारा 12 (B) के तहत पंजीकृत है।

अपने स्थापना काल से ही महाविद्यालय अपने प्रमुख उद्देश्यों में से एक को पूरा करने की कोशिश कर रहा है, वह है – समाज के सभी वर्गों के लिए सुलभ, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराना, जो छात्रों को ज्ञान और पेशेवर कौशल, संवैधानिक एवं मानवीय मूल्यों के साथ–साथ वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करें।

हमारा उद्देश्य (Our Mission) : अष्ट–संकल्प

- सरकार और विश्वविद्यालय के नियम–परिनियम के अनुरूप समाज के सभी वर्गों के लिए गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और आधुनिक शिक्षा प्रदान करना।
- शिक्षण–अधिगम के विभिन्न साधनों एवं कार्यक्रमों के द्वारा छात्र के बीच वैज्ञानिक सोच और तार्किक प्रवृति को विकसित करना और इसे बढ़ावा देना।
- छात्र के सर्वांगिण विकास के लिए उनमें दल भावना से युक्त नेतृत्व कौशल, संवाद कौशल तथा मानवीय, नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों को विकसित करना।
- नवीनतम तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल बिठाने, रचनात्मक और नवाचारोन्मुख विचारों को उत्पन्न करने

एवं उपयोग में लाने के लिए अपने छात्रों, शिक्षकों और अन्य कर्मियों को निरन्तर प्रशिक्षित करना।

- वैश्विक प्रतिस्पर्धी वातावरण का सामना करने के लिए अपने विषय में पारंगतता के साथ—साथ आवश्यक कौशल से युक्त सक्षम और कुशल भावी पीढ़ी तैयार करना।
- हरित और स्थायित्व पूर्ण पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली और कार्य व्यवहार के प्रति छात्रों को जागरूक और जिम्मेदार बनाना।
- छात्रों में एक बहु—सांस्कृतिक समाज की उत्तरजीविता के लिए लैंगिक एवं सामाजिक समानताएँ और व्यक्तियों के संवैधानिक अधिकार के प्रति सम्मान जैसे मूल्यों को विकसित करना।
- अपने छात्रों को मानवीय मूल्यों से युक्त, अपने तथा दूसरे के संवैधानिक कर्त्तव्यों और अधिकारों के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनाना।

हमारी दृष्टि (Our Vision) : भविष्य में निवेश

हमारी दृष्टि हमारे महाविद्यालय के प्रतीक चिन्ह में अंतर्निहित है जो संस्था के बुनियादी मूल्य का निर्माण करती है। समावेशी सोच के साथ यह संस्था समाज के सभी वर्गों, विशेषकर वंचित वर्ग और लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और किफायती शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा मानव के सर्वांगीण विकास का सबसे महत्वपूर्ण घटक है, अतः महाविद्यालय की दृष्टि, ग्रामीण और अर्ध कस्बाई क्षेत्र से आने वाले छात्रों में नवीनतम ज्ञान और आधुनिक कौशल के साथ—साथ वैश्विक मानवीय मूल्यों को संपोषित करना है जिससे वो समाज और देश की प्रगति और समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देने में सक्षम हों। हमारा उद्देश्य अपने छात्रों को नए ज्ञान और नवाचार युक्त विचारों को उत्पन्न करने और उनका उपयोग करने, संवाद और विचार—विमर्श को बढ़ावा देने वाले मूल्यों को आत्मसात करने तथा जीवन का अभिन्न हिस्सा बन रहे नित नयी प्रौद्योगिकी से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना है, साथ ही साथ एक हरित और संवहनीय पर्यावरण का निर्माण एवं संरक्षण करने की वैश्विक स्तर पर बढ़ती मांगों और आकांक्षाओं से उत्पन्न वर्तमान युग की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाना है। हम मानते हैं कि शिक्षा न केवल अवसर की एक सीढ़ी है, बल्कि यह हमारे भविष्य में एक निवेश भी है।

महाविद्यालय के विभाग एवं संकाय सदस्य

हमारे संकल्पों को पूरा करने के हमारे आधार स्तम्भ महाविद्यालय के सोलह विभाग हैं, जो चार प्रमुख भवनों ब्लॉक बी, सी, डी, तथा एफ में स्थित हैं। जिनमें से पाँच विज्ञान विभाग और ग्यारह कला विभाग हैं। विभागों तथा उनके संकाय सदस्यों का विवरण निम्नलिखित है।

Stream	Departments	Block	Faculty
Arts	Economics	B	Dr. Vinay Kumar Singh, HoD
	English	B	Dr. Pratima Priyadarshni (GT) Dr. Gangesh Kumar (GT)
	Geography	C	Dr. Prabhuranjan Singh Gond, HoD Dr. Pinky Kumari Dr. Nutan Kumari
	Hindi	D	Dr. Archana Kumari, HoD Dr. Birendra Kumar Datta
	History	D	Dr. Deepak Kumar Nair, HoD
	Maithili	D	Dr. Ratna Krishna Jha, HoD
	Philosophy	D	Dr. Prem Lata Sharma, HoD

	Political Science	F	Dr. Rajeev Roushan, HoD Dr. Mukesh Kumar
	Psychology	C	Mr. Santosh Kumar, HoD Dr. Smita Kumari Dr. Mala Kumari (GT)
	Sanskrit	D	Dr. Kumari Nandini, HoD
	Urdu	D	Dr. Md. Zeyaul Haque, HoD
Science	Botany	F	Mr. Chandra Shekhar Singh, HoD Dr. Amit Kumar Yadav (Environmental Science)
	Chemistry	C	Prof. Surendra Prasad, HoD Dr. Pramod Kumar Dr. Kamalodvab Jha (GT) Dr. Amit Anand (GT)
	Mathematics	D	Dr. Sanjay Kumar Mahto, HoD Dr. Ram Kumar Raman (GT)
	Physics	B	Mr. Anilesh, HoD Dr. Dipanweeta Bhattacharyya Dr. Abhinav Saket (GT)
	Zoology	F	Dr. Babina Sinha (GT) Dr. Nikendra Kumar (GT) Dr. Umashankar Prasad (GT)

पाठ्यक्रम विवरण (COURSES)

बिहार के सभी महाविद्यालयों की तरह ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा की एक अंगीभूत इकाई के तौर पर हमारे महाविद्यालय में भी शैक्षणिक वर्ष 2023–24 से स्नातक पाठ्यक्रम में चार वर्षीय चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सी.बी.सी.एस.) लागू है। इसके चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय, कला और विज्ञान संकाय में स्नातक की उपाधि (डिग्री) प्रदान करता है। सी.बी.सी.एस व्यवस्था में जो छात्र तीन वर्ष यानी छह सेमेस्टर की पढ़ाई पूरी करेंगे, उन्हें अपने मुख्य (Major) और गौण (Minor) पाठ्यक्रमों में बी.ए. / बी.एससी. ऑनर्स की उपाधि दी जाएगी। जो छात्र सातवें और आठवें सेमेस्टर की पढ़ाई पूरी करेंगे, उन्हें अपने मुख्य (Major) और गौण (Minor) पाठ्यक्रमों में बी.ए. / बी.एससी. ऑनर्स (शोध सहित) की उपाधि प्रदान की जाएगी। आठ सेमेस्टर की पढाई पूरी करने वाले छात्रों के लिए सीधे शोध कार्य के लिए आवेदन करने का विकल्प होगा। महाविद्यालय में पिछले सत्र से हिंदी और राजनीति विज्ञान विषय में स्नातकोत्तर की पढाई भी प्रारंभ हो चुकी है। दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में भी सेमेस्टर प्रणाली पूर्व से लागू है, जिसमें चार सेमेस्टर की पढाई होती है। चार सेमेस्टर की पढ़ाई पूरी करने पर छात्रों को सम्बंधित विषय में एम.ए. (M.A.) की उपाधि प्रदान की जाएगी।

महाविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम (COURSES OFFERED BY THE COLLEGE)

Stream	Courses
Arts	Economics (B.A. Hons.)
	English (B.A. Hons.)
	Geography (B.A. Hons.)
	Hindi (B.A. Hons.) & M.A (Hindi)
	History (B.A. Hons.)
	Maithili (B.A. Hons.)
	Philosophy (B.A. Hons.)
	Political Science (B.A. Hons.) & M.A(Pol.Sc.)
	Psychology (B.A. Hons.)
	Sanskrit (B.A. Hons.)
	Urdu (B.A. Hons.)
Science	Botany (B.Sc. Hons.)
	Chemistry (B.Sc. Hons.)
	Mathematics (B.Sc. Hons.)
	Physics (B.Sc. Hons.)
	Zoology (B.Sc. Hons.)

प्रवेश प्रक्रिया (ADMISSION PROCESS)

इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्रों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकन हेतु तथा स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्रों को स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में नामांकन हेतु विश्वविद्यालय के पोर्टल (www.lnmu.ac.in) पर ऑनलाइन आवेदन करना होता है। स्नातक पाठ्यक्रम के लिए इंटरमीडिएट के प्राप्तांकों के आधार पर तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए स्नातक के प्राप्तांकों के आधार पर तय मेधा सूची से आवेदक छात्र की वरीयता के अनुसार महाविद्यालय में नामांकन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा नामांकन पत्र जारी किया जाता है, जिसके आधार पर आवश्यक प्रपत्रों के साथ तय अवधि में छात्रों को आवंटित महाविद्यालय में नामांकन लेना होता है। आगामी सत्र से बिहार के सभी विश्वविद्यालयों के लिए एकीकृत प्रवेश प्रणाली लागू होने की संभावना है।

हमारे महाविद्यालय की मुख्य विशेषताएं (HIGHLIGHTS OF THE COLLEGE)

स्मार्ट वर्ग–कक्ष (SMART CLASSROOM)

महाविद्यालय की प्राथमिक गतिविधि उनका पठन पाठन होता है। अपने इस प्राथमिक गतिविधि को बेहतर करने की हमारी सतत कोशिश रही है। शिक्षण–अधिगम में आधुनिक सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी) को शामिल करने के लिए, स्मार्ट बोर्ड से सुसज्जित दो स्मार्ट क्लास–रूम है जो अधिगम की प्रक्रिया को अधिक सुगम और रुचिकर बनाता है, इसके अतिरिक्त दो दर्जन से अधिक सुसज्जित वर्ग–कक्ष है जहां पठन–पठान कार्य संपन्न होता है।

पुस्तकालय (LIBRARY)

संस्थागत शिक्षण–अधिगम का एक अनिवार्य अंग पुस्तकालय होता है। हमारे महाविद्यालय में एक बड़ा एवं सुसज्जित पुस्तकालय है, जिसमें विभिन्न विषय से संबंधित पुस्तकों का विशाल संग्रह है। पुस्तकालय में संदर्भ पुस्तकें भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। हिंदी और अंग्रेजी समाचार पत्र, साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं और भाषा एवं साहित्य से संबंधित पत्रिकाएँ भी उपलब्ध है। छात्रों के लिए एक अध्ययन कक्ष भी है। छात्रों को पुस्तकालय कार्ड दिया जाता है, जिसके माध्यम से वे पुस्तकालय से पुस्तकें ले सकते हैं। एक बार में छात्रों को दो पुस्तकें दी जा सकती है, जिन्हें अधिकतम 15 दिनों में वापस करना होता है। पुस्तकों को देर से लौटाने या खो जाने पर निर्धारित दंड राशि का भुगतान करना होता है। वर्त्तमान में डिजिटल युग को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय में ओ.एन.ओ.एस (ONOS) यानी वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन सुविधा भी उपलध करायी जा रही है।

उन्नत प्रयोगशालाएँ (ADVANCED LABORATORIES)

सैद्धांतिक ज्ञान प्रायोगिक पहलू से जुड़कर और बेहतर और उपयोगी हो जाता है। हमारे महाविद्यालय में विज्ञान विषय(गणित को छोड़कर) तथा भूगोल और मनोविज्ञान विषय के छात्रों के लिए सैद्धांतिक कक्षाओं के साथ–साथ पाठ्यक्रम के प्रायोगिक पक्षों का अध्ययन करने के लिए सम्बंधित विभाग में उन्नत प्रयोगशाला की व्यवस्था है, जहां छात्र शिक्षकों के देख–रेख में पाठ्यक्रम से जुड़े प्रयोगों का संचालन करते हैं।

कंप्यूटर लैब (COMPUTER LAB)

कंप्यूटर दक्षता वर्तमान समय की जरूरी योग्यताओं में से प्रमुख है। इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय में छात्रों के लिए डेस्कटॉप कंप्यूटरों से सुसज्जित एक कंप्यूटर लैब है। इसमें एक स्मार्ट बोर्ड भी है, जहाँ आवश्यकता

और अभिरुचि के आधार पर छात्रों को कंप्यूटर सीखने और इसपर कार्य करने का अवसर दिया जाता है।

सम्मेलन कक्ष (SEMINAR HALL)

महाविद्यालय में स्मार्ट बोर्ड और प्रोजेक्टर से सुसज्जित एक सम्मेलन कक्ष है। सम्मेलन कक्ष में विशेष व्याख्यान, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि आयोजित किए जाते हैं। यहाँ दो दर्जन से अधिक लोगों के एक साथ बैठने के लिए गोल–मेज (Round Table) की व्यवस्था है। इसके अलावा 100 लोगों के एक साथ बैठने योग्य दीर्घा है।

व्याख्यान रिकॉर्डिंग सुविधा (LECTURE RECORDING FACILITY)

ऑनलाइन पाठ्य सामग्री की दिन प्रतिदिन बढ़ती मांग और छात्रों के व्यापक हितों के मद्देनजर महाविद्यालय में ऑनलाइन पाठ्य सामग्री तैयार करने के लिए उन्नत व्याख्यान रिकॉर्डिंग सुविधा उपलब्ध है, जहाँ आवश्यकतानुसार शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान रिकॉर्ड किया जाता है और छात्रों के बीच साझा किया जाता है।

महाविद्यालय पहचान–पत्र (COLLEGE ID CARD)

छात्रों को नामांकन प्रक्रिया के पूर्ण होने के उपरांत एक पहचान पत्र दिया जाता है, जिसे महाविद्यालय में अपने साथ अनिवार्य तौर पर रखना होता है। छात्रों को महाविद्यालय के अपने कोर्स/कार्यक्रम की पूरी अवधि के दौरान इसे सुरक्षित रखना जरूरी होता है। पहचान–पत्र खो जाने की स्थिति में, शुल्क जमा करने के बाद एक नया पहचान पत्र जारी किया जाता है। औचक जाँच के दौरान कभी भी बिना महाविद्यालय पहचान पत्र (ID Card) के पाए जाने पर छात्र अर्थ दंड के भागी हो सकते हैं। महाविद्यालय पहचान पत्र के साथ एक पुस्तकालय कार्ड भी जारी किया जाता है, जिसका उपयोग पुस्तकालय से पुस्तक लेने के लिए करना होता है।

पार्किंग सुविधा (PARKING FACILITY)

महाविद्यालय के प्रवेश द्वार के पास एक पार्किंग शेड है। छात्र, शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मी तथा आगंतुक को अपना वाहन यहाँ पार्क करना होता है। परिसर में शिक्षकों और महाविद्यालय कर्मियों के लिए एक कार पार्किंग शेड भी उपलब्ध है। बिना पूर्व अनुमति के पार्किंग स्थल से इतर वाहन पार्क करना आर्थिक दंड का आधार हो सकता है।

महाविद्यालय जलपान गृह (COLLEGE CANTEEN)

छात्रों, शिक्षकों और महाविद्यालय कर्मियों के लिए प्रवेश द्वार के पास एक कैंटीन स्थित है, जहाँ महाविद्यालय की कार्य अवधि में उचित दर पर अल्पाहार, शीतल पेय (कोल्ड ड्रींक्स), चाय आदि की व्यवस्था है।

ऑनलाइन पोर्टल (ONLINE PORTAL OR ADMISSION WEBSITE)

महाविद्यालय का एक एडमिशन वेवसाइट www.rnaronline.ac.in है। प्रवेश प्रक्रिया इसी पोर्टल के माध्यम से होती है। महाविद्यालय प्रशासन में ई–गवर्नेंस को बढ़ावा देते हुए, छात्रों को इस पोर्टल के माध्यम से महाविद्यालय परित्याग प्रमाणपत्र (C.L.C.), स्थानांतरण प्रमाणपत्र (T.C.), नो ड्यूज सर्टिफिकेट (No Dues Certificate), बोनाफाइड सर्टिफिकेट (Bonafide Certificate), नए पहचान पत्र आदि के लिए आवेदन करने और नामांकन, पंजीयन, परीक्षा, अन्य जरूरी शुल्क ऑनलाइन जमा करने की सुविधा उपलब्ध है। महाविद्यालय का यह पोर्टल नामांकन सम्बन्धी सूचना, विभिन्न परीक्षाओं एवं महाविद्यालय की अन्य गतिविधियों की सूचना का भी प्रमुख माध्यम है। छात्रों को नियमित तौर पर पोर्टल पर विजिट करने की सलाह दी जाती है। महाविद्यालय से जुड़ी आवश्यक सूचनाएँ सोशल मीड़िया एप्प के माध्यम से भी प्रदान की जाती है। (Whatsapp पर महाविद्यालय की सूचनाँ प्राप्त करने के लिए Q.R. Code)।

QR CODE

खेल–कूद सुविधाएँ (SPORTS FACILITIES)

उत्तम स्वास्थ्य छात्रों के सर्वांगीण विकास और बेहतर भविष्य का आधार होता है। इसे ध्यान में रखते हुए छात्रों और महाविद्यालय कर्मियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए खेल–कूद सुविधाओं का समुचित प्रबंध महाविद्यालय में है। खेलकूद के लिए एक संकाय सदस्य को खेल प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया है। महाविद्यालय उन छात्रों को सुविधाएं और सहायता प्रदान करता है जो खेलों में रुचि रखते हैं और इसमें अपना करियर बनाना चाहते हैं। हर साल महाविद्यालय में वार्षिक खेल प्रतियोगिता आयोजित की जाती है और छात्र विश्वविद्यालय स्तरीय युवा महोत्सव में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए भी जाते हैं। वे विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भाग लेते हैं। महाविद्यालय परिसर में एक विशाल खेल मैदान है जहां खेल प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। जो छात्र खेलों में रुचि रखते हैं और इसमें अपना करियर बनाना चाहते हैं, वे इस खेल मैदान में अभ्यास कर सकते हैं। महाविद्यालय में एक अन्तः–क्रीड़ा भवन (इनडोर स्टेडियम) है जहां बैडमिंटन, टेबल–टेनिस, कैरम और अन्य इनडोर खेल का अभ्यास कर सकते है। ब्लॉक सी और ब्लॉक डी के बीच एक बास्केटबॉल कोर्ट स्थित है जहाँ छात्र–छात्रा बास्केटबॉल का अभ्यास करते हैं। महाविद्यालय परिसर में

राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित तीन खुले व्यायामशालाएँ हैं, जो छात्रों, शिक्षकों और अन्य कर्मियों के लिए उपयोगी हैं।

सामान्य कक्ष (COMMON ROOM)

महाविद्यालय में छात्र और छात्राओं के लिए अलग–अलग सामान्य सदन (कॉमन रूम) की सुविधा उपलब्ध है। महाविद्यालय में छात्राओं के लिए सैनिटरी नैपकिन की सुविधा भी उपलब्ध है, जिन्हें छात्राएं आवश्यकता पड़ने पर अपना आई कार्ड दिखाकर किसी भी महिला प्राध्यापक से प्राप्त कर सकती है।

एन.एस.एस. (NSS) और एन.सी.सी. (NCC)

महाविद्यालय की एक एन.एस.एस. इकाई है जो नियमित रूप से विश्वविद्यालय द्वारा तय कार्यक्रमों तथा महाविद्यालय स्तर पर आंतरिक व बाह्य गतिविधियाँ और कार्यक्रम को आयोजित करती है। एन.एस.एस. स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों को प्रत्येक कार्यक्रम में सहभागिता का प्रमाण पत्र भी दिया जाता है, जो भविष्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं। एन.सी.सी. का प्रस्ताव महाविद्यालय द्वारा प्रस्तावित किया गया है और एन.सी.सी. के क्षेत्रीय कार्यालय में विचाराधीन है।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ (CULTURAL ACTIVITIES)

महाविद्यालय नियमित रूप से शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है, छात्रों को अपनी रुचियों और शौक के अनुकूल विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। छात्र करियर के दृष्टिकोण से भविष्य में भी इनका उपयोग कर सकते हैं। छात्र भाषण प्रतियोगिताओं, वाद–विवाद, नृत्य, गायन, चित्रकला, नाटक आदि में भाग लेते हैं। एन.एस.एस. स्वयंसेवक नुक्कड़ नाटक (स्ट्रीट प्ले) भी प्रस्तुत करते हैं। महाविद्यालय की नाटक टीम विश्वविद्यालय युवा महोत्सव में भाग लेती रही है।

शैक्षणिक भ्रमण (EDUCATIONAL TOUR)

शिक्षा सिर्फ पुस्तकों का अध्ययन, प्रायोगिक कक्षा तथा वर्ग व्याख्यान मात्र नहीं होती है, इसमें अपने अध्ययन विषय से जुड़े पक्षों/क्षेत्रों को वास्तविकता में जानना और समझना भी जरूरी होता है। इसके मद्देनजर कुछ विभाग अपने अध्ययन क्षेत्र से संबंधित स्थानों पर शैक्षिक भ्रमण का आयोजन करते हैं। इतिहास विभाग ने कई सत्रों के छात्रों के लिए वैशाली, नालंदा और राजगीर के शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया है।

बैंक (BANK)

पंजाब नेशनल बैंक की एक शाखा कॉलेज परिसर में स्थित है, जिसके माध्यम से छात्र, शिक्षक और अन्य महाविद्यालय कर्मी बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाते हैं।

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम संरचना (C.B.C.S. COURSE STRUCTURE)

नई शिक्षा नीति (NEP) के अन्तर्गत चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) लागू होने के साथ, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय सहित बिहार के सभी विश्वविद्यालयों ने सत्र 2023–27 से स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम के लिए चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम को अपनाया है और वार्षिक प्रणाली के स्थान पर सेमेस्टर प्रणाली शुरू की गई है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए पूर्व से सेमेस्टर प्रणाली लागू है।

अध्ययन कार्यक्रम / पाठ्यक्रम संरचना (PROGRAMME OF STUDY / COURSE STRUCTURE)

1. छात्रों को स्नातक (UG) कार्यक्रम के लिए आठ सेमेस्टर में विस्तारित तथा स्नातकोत्तर (PG) कार्यक्रम के लिए चार सेमेस्टर में विभाजित प्रमाणित अध्ययन कार्यक्रम से गुजरना होगा।
2. प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में दो सेमेस्टर होंगे :

विषम (ODD) सेमेस्टर : स्नातक के लिए प्रथम (First), तृतीय (Third), पंचम (Fifth) और सप्तम (Seventh) तथा स्नातकोत्तर के लिए प्रथम (First) और तृतीय (Third) सेमेस्टर का संचालन जुलाई से दिसंबर तक होंगे।

सम (EVEN) सेमेस्टर : स्नातक के लिए द्वितीय (Second), चतुर्थ (Fourth), षष्ठम (Sixth) एवं अष्टम (Eight) तथा स्नातकोत्तर के लिए द्वितीय (Second) एवं चतुर्थ (Fourth) सेमेस्टर का संचालन जनवरी से जून तक होंगे।

पाठ्यक्रम संरचना (COURSE STRUCTURE)

यह पाठ्यक्रम स्नातक के लिए आठ सेमेस्टर में मेजर (Major), माइनर (Minor), आई.डी.सी. (IDC) / एम. डी.सी. (MDC), ए.ई.सी. (AEC), एस.ई.सी. (SEC) और वी.ए.सी. (VAC) पाठ्यक्रमों में विभाजित है।

मेजर (MJC) : छात्रों को कला या विज्ञान संकाय में एक विषय को अपना मेजर या मुख्य विषय चुनना होता है, जो नामांकन के लिए आवेदन करने के समय ही चुनना होता है। यह ऑनर्स (Honours) के समकक्ष है। आठ सेमेस्टर में छात्रों को कुल 16 एम.जे.सी. (MJC) पाठ्यक्रम पढ़ने होंगे। इनमें MJC-1 से MJC-16 तक सोलह अलग–अलग पाठ्यक्रम होंगे। एम.जे.सी. पाठ्यक्रम पूरे पाठ्यक्रम में सबसे अधिक क्रेडिट प्रदान करते हैं।

माइनर (MIC) : माइनर पाठ्यक्रम स्ट्रीम के भीतर दूसरा पसंदीदा विषय होगा। यह तीन वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के अंतर्गत सहायक विषय के समकक्ष है। आठ सेमेस्टर में छात्रों को कुल 10 एम.आई.सी. (MIC) पाठ्यक्रम पढ़ने होंगे। माइनर पाठ्यक्रमों के अंतर्गत सेमेस्टर–1 से 8 तक MIC-1 से MIC-10 के रूप में विभिन्न पाठ्यक्रम हैं, जिनके क्रेडिट मेजर पाठ्यक्रमों के बाद दूसरा प्रमुख स्थान रखते हैं।

अंतः विषयक / बहु–विषयक (IDC/MDC) : आई.डी.सी. / एम.डी.सी. तीसरा प्रमुख विषय है। छात्र इस पाठ्यक्रम को सेमेस्टर I से III तक पढ़ेंगे। मूल रूप से सी.बी.सी.एस प्रणाली के तहत, छात्र अपने मेजर और माइनर विषयों के संकाय की परवाह किए बिना, किसी भी संकाय का कोई भी विषय चुन सकते है। इस प्रकार, वनस्पति विज्ञान मेजर का छात्र इतिहास चुन सकता था और राजनीति विज्ञान मेजर का छात्र प्राणी विज्ञान चुन सकता है। हालांकि, वर्तमान में विश्वविद्यालय केवल एक ही संकाय से आई.डी.सी. / एम.डी.सी. पाठ्यक्रम चुनने की अनुमति देता है। विज्ञान संकाय के छात्र वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, प्राणी विज्ञान और गणित में से अपना आई. डी.सी. पाठ्यक्रम चुन सकते हैं, और कला संकाय के छात्र अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, भूगोल, हिंदी, इतिहास, मैथिली, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, संस्कृत और उर्दू में से चुन सकते हैं। भविष्य में छात्रों को सभी संकाय से अपने आई.डी.सी. विषय चुनने की स्वतंत्रता होगी।

योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC) : यह पाठ्यक्रम छात्रों के भाषा एवं साहित्य, पर्यावरण विज्ञान आदि विभिन्न क्षेत्रों

में ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से बनाया गया है। ए.ई.सी. प्रथम से चतुर्थ सेमेस्टर तक पाठ्यक्रम का हिस्सा है। प्रथम सेमेस्टर में, छात्र महाविद्यालय में उपलब्ध भाषा पाठ्यक्रमों जैसे हिंदी, अंग्रेजी, मैथिली, संस्कृत और उर्दू में से किसी एक को चुनकर आधुनिक भारतीय भाषाएँ (एम.आई.एल.) का अध्ययन करेंगे। द्वितीय सेमेस्टर में, छात्र ए.ई.सी. के अंतर्गत पर्यावरण विज्ञान का अध्ययन करेंगे। इसी प्रकार तृतीय सेमेस्टर में, ए.ई.सी. का पाठ्यक्रम आपदा प्रबंधन पर और चतुर्थ सेमेस्टर में राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था (एन.एस.एस./एन.सी.सी.) आदि पर आधारित है। पाठ्यक्रमों को AEC-1 से AEC-4 तक नाम दिया गया है।

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC) : यह पाठ्यक्रम कौशल संवर्धन पर आधारित है। छात्र प्रथम से तृतीय सेमेस्टर तक इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करेंगे। इस पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रश्नपत्रों को SEC-1 से SEC-3 तक नाम दिया गया है।

मूल्य—वर्धित पाठ्यक्रम (VAC) : VAC पाठ्यक्रम विभिन्न विषयों द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों का एक साझा समूह है, जिसका उद्देश्य व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों को आत्मसात करना, आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना, भारतीय ज्ञान प्रणालियों, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, संचार कौशल, रचनात्मक लेखन, प्रस्तुति कौशल, खेल और शारीरिक शिक्षा और टीम वर्क को प्रोत्साहित करना है, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होगा। छात्र प्रथम से द्वितीय सेमेस्टर तक इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करेंगे। इस पाठ्यक्रम में पत्रों को VAC-1 से VAC-2 तक नाम दिया गया है।

नोट : ऊपर उल्लिखित सभी पाठ्यक्रम अनिवार्य हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में, MJC, MIC, IDC/MDC, AEC, SEC, और VAC पाठ्यक्रमों के अंतर्गत विभिन्न विषय पढ़ाए जाएंगे। AEC. SEC, VAC के नाम वही रहेंगे, लेकिन इनके अंतर्गत पढ़ाए जाने वाले विषय प्रत्येक सेमेस्टर में बदलेंगे। उदाहरण के लिए, सेमेस्टर I में AEC के अंतर्गत आधुनिक भारतीय भाषाएँ (MIL) पढ़ाया जाएगा, जो सेमेस्टर II में बदलकर पर्यावरण विज्ञान हो जाएगा। स्नातक के छात्रों को पूरे कोर्स के दौरान कुल 160 क्रेडिट का अध्ययन करना होगा, जिनका विवरण निम्नलिखित है :

WEIGHTAGE OF CREDIT FOR 4 YEAR PROGRAMME

Type of Course	Name of Course	Credit
MJC	Major Course	80
MIC	Minor Course	32
IDC/MDC	Interdisciplinary/Multidisciplinary	09
AEC	Ability Enhancement Course	08
SEC	Skill Enhancement Course	09
VAC	Value-Added Course	06
INT	Internship	04
RP	Research Project/ Dissertation	12
	Total	**160**

SEMESTER-WISE COURSE STRUCTURE FOR UNDERGRADUATION

Semester - I

S.N.	Name of Course	Type of Course	L-T-P*	Credit	Marks
1.	Major Course- 1	MJC- 1	6-1-0	6	100
2.	Minor Course- 1	MIC- 1	4-1-0	3	100
3.	Multidisciplinary Course-1	MDC- 1	4-1-0	3	100
4.	MIL	AEC- 1	2-1-0	2	100
5.	Skill Enhancement Course	SEC- 1	1-0-3	3	100
6.	Value Added Course	VAC-1	1-0-3	3	100
			Total Credit – 20		

प्रायोगिक विषयों में प्रत्येक क्रेडिट के लिए व्याख्यान (L), ट्यूटोरियल (T) तथा प्रायोगिक (P) कक्षा का वितरण भिन्न हो सकता है।

Semester - II

S.N.	Name of Course	Type of Course	L-T-P*	Credit	Marks
1.	Major Course- 2	MJC- 2	6-1-0	6	100
2.	Minor Course- 2	MIC- 2	4-1-0	3	100
3.	Multidisciplinary Course-2	MDC- 2	4-1-0	3	100
4.	Environmental Science	AEC- 2	2-1-0	2	100
5.	Skill Enhancement Course	SEC- 2	1-0-3	3	100
6.	Value Added Course	VAC-2	1-0-3	3	100
			Total Credit – 20		

निकास विकल्प : सेमेस्टर I – II के सभी क्रेडिट अर्जित करने और 4 क्रेडिट का एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम पूरा करने पर छात्रों को अंतः स्नातक प्रमाणपत्र' (अंडर ग्रेजुएट सर्टिफिकेट) प्राप्त होगा।

Semester - III

S.N.	Name of Course	Type of Course	L-T-P*	Credit	Marks
1.	Major Course- 3	MJC- 3	5-1-0	5	100
2.	Major Course- 4	MJC- 4	3-1-0	4	100
3.	Minor Course- 3	MIC- 3	4-1-0	3	100
4.	Multidisciplinary Course-1	MDC- 3	4-1-0	3	100
5.	Disaster Risk Management	AEC- 3	2-1-0	2	100
6.	Skill Enhancement Course	SEC- 3	1-0-3	3	100
			Total Credit – 20		

Semester - IV

S.N.	Name of Course	Type of Course	L-T-P*	Credit	Marks
1.	Major Course- 5	MJC- 5	5-1-0	5	100
2.	Major Course- 6	MJC- 6	5-1-0	5	100
3.	Major Course- 7	MJC- 7	5-1-0	5	100
4.	Minor Course- 4	MIC- 4	4-1-0	3	100
5.	Course on NCC/ NSS/ NGO'S/ Social Service/ Scout & Guide/ Sports	AEC- 4	2-1-0	2	100
Total Credit – 20					

निकास विकल्प : जिन छात्रों ने सेमेस्टर I-IV के सभी क्रेडिट अर्जित कर लिए हैं और 4 क्रेडिट का एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है, उन्हें अंतः स्नातक डिप्लोमा (अंडर–ग्रेजुएट डिप्लोमा) प्राप्त होगा।

Semester - V

S.N.	Name of Course	Type of Course	L-T-P*	Credit	Marks
1.	Major Course- 8	MJC- 8	5-1-0	5	100
2.	Major Course- 9	MJC- 9	5-1-0	5	100
3.	Minor Course- 5	MIC- 5	4-1-0	3	100
4.	Minor Course- 6	MIC- 6	4-1-0	3	100
5.	Internship	INT- 1	-	4	100
Total Credit – 20					

Semester - VI

S.N.	Name of Course	Type of Course	L-T-P*	Credit	Marks
1.	Major Course- 10	MJC- 10	4-1-0	4	100
2.	Major Course- 11	MJC- 11	5-1-0	5	100
3.	Major Course- 12	MJC- 12	5-1-0	5	100
4.	Minor Course- 7	MIC- 7	4-1-0	3	100
5.	Minor Course- 8	MIC- 8	4-1-0	3	100
Total Credit – 20					

निकास विकल्प : सेमेस्टर I-VI तक सभी क्रेडिट अर्जित करने पर छात्रों को विज्ञान / कला में स्नातक (ऑनर्स) की डिग्री की डिग्री प्राप्त होगी।

Semester - VII

S.N.	Name of Course	Type of Course	L-T-P*	Credit	Marks
1.	Major Course- 13	MJC- 13	5-1-0	5	100
2.	Major Course- 14	MJC- 14	5-1-0	5	100
3.	Major Course- 15	MJC- 15	6-1-0	6	100
4.	Minor Course- 9	MIC- 9	4-1-0	4	100
			Total Credit – 20		

Semester - VIII

S.N.	Name of Course	Type of Course	L-T-P*	Credit	Marks
1.	Major Course- 16	MJC- 16	4-1-0	4	100
2.	Minor Course- 10	MIC- 10	4-1-0	4	100
3.	Research Project/ Dissertation	RP- 1	-	12	
			Total Credit – 20		

जो छात्र सेमेस्टर VII और VIII के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं, और सेमेस्टर VIII तक इस कोर्स को पूरा कर लेते हैं, उन्हें उनके मेजर और माइनर कोर्स में स्नातक (शोध सहित) 'B.A./B.Sc. (Hons with Research) की उपाधि/डिग्री प्रदान की जाएगी।

COURSE SUMMARY

Semester	Courses					
Semester I	Major- 1	Minor-1	IDC/MDC-1	AEC-1MIL	SEC-1	VAC-1
Semester II	Major- 2	Minor-2	IDC/MDC-2	AEC- 2	SEC-2	VAC-2
Semester III	Major- 3, 4	Minor-3	IDC/MDC -3	AEC- 3	SEC-3	-
Semester IV	Major- 5, 6, 7	Minor-4	-	AEC- 4	-	-
Semester V	Major- 8, 9	Minor-5, 6	Internship			
Semester VI	Major-10,11,12	Minor-7, 8	-			
Semester VII	Major-13,14,15	Minor- 9	-			
Semester VIII	Major- 16	Minor- 10	Research Project/ Dissertation			

मूल्यांकन योजना (SCHEME OF ASSESSMENT)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम में मूल्यांकन प्रक्रिया के एक भाग में आंतरिक मूल्यांकन/परीक्षा (CIA) और दूसरे भाग में सेमेस्टर के अंत में होने वाली परीक्षाएँ (End Semester Exam) शामिल हैं। इन दोनों परीक्षाओं के अंकों का भार निम्न प्रकार है :

CIA (Continuous Internal Assessment)	30	Marks
ESE (End Semester Exam)	70	Marks
Total	**100**	**Marks**

'आंतरिक मूल्यांकन के निम्नलिखित भाग होते हैं :

***Components of CIA (For Theory Course)**

i.	One mid-semester written test	15	Marks
ii.	Assignment/ Quiz/ Seminar/ Presentation	10	Marks
iii.	Attendance and Conduct	05	Marks
	Total	**30**	**Marks**

'प्रायोगिक पत्र (Practical subjects) वाले विषयों में इसी तरह की मूल्यांकन प्रक्रिया अलग से लागू होती है।

प्रायोगिक पत्र वाले विषय (Practical Subjects)

Stream	Subjects	Practical Exam		
		Major	Minor	IDC/MDC
Science	**Botany**	Yes	Yes	Yes
	Chemistry	Yes	Yes	Yes
	Physics	Yes	Yes	No
	Zoology	Yes	Yes	Yes
Arts	**Geography**	Yes	Yes	No
	Psychology	Yes	Yes	No

नोट :

- सेमेस्टर के मध्य में आंतरिक परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक विषय में एक लिखित परीक्षा होती है।
- असाइनमेंट आंतरिक परीक्षा का एक हिस्सा है, जिसमें छात्रों को कुछ प्रश्नों या विषयों पर लिखित निबंध या विभाग द्वारा तय अन्य कार्य पूरा करके जमा करने होते हैं। सभी विषयों – मेजर, माइनर, IDC/MDC, AEC, SEC और VAC में असाइनमेंट जमा करना अनिवार्य है। छात्रों को उनके चुने हुए विषय के विभागों द्वारा असाइनमेंट प्रश्न या विषय दिए जाएंगे और उन्हें संबंधित विभागों में असाइनमेंट जमा करने होंगे। असाइनमेंट के स्थान पर क्विज/सेमिनार/प्रस्तुति भी आयोजित की जा सकती है।
- CIA में लिखित परीक्षा और असाइनमेंट प्रत्येक विषय में अनिवार्य हैं। यदि कोई छात्र लिखित परीक्षा में उपस्थित नहीं होता है या असाइनमेंट जमा नहीं करता है, तो अंतिम परिणाम में वह अनुत्तीर्ण घोषित होता है।
- यदि कोई छात्र किसी विषय की आंतरिक परीक्षा के दिन उपस्थित नहीं होता है, तो उसे निर्धारित समय सीमा के

भीतर परीक्षा में बैठने के लिए ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से विलंब शुल्क का भुगतान करना होगा।

- सेमेस्टर के अंत में आयोजित होने वाली की परीक्षा (End Semester Exam)
- प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में सेमेस्टर अवसान परीक्षा (ESE) होती है। यह परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाती है। परीक्षा केंद्र जिले का कोई भी अन्य महाविद्यालय होता है, जो विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किया जाता है। ESE की प्रायोगिक परीक्षाएं (Practical Exams) आमतौर पर छात्रों के अपने महाविद्यालय में आयोजित की जाती हैं।
- सेमेस्टर के अंत की परीक्षा के लिए परीक्षा फॉर्म भरते समय, छात्रों को अपने MINOR या IDC/MDC विषयों को बदलने की अनुमति नहीं है। ये विषय वही होने चाहिए जो पंजीकरण पत्र पर अंकित हैं। उदाहरण के लिए, यदि पंजीकरण पत्र में MIC (MINOR) विषय अर्थशास्त्र है और IDC/MDC इतिहास है, तो परीक्षा फॉर्म भरते समय MIC (MINOR) और IDC/MDC विषयों के रूप में केवल अर्थशास्त्र और इतिहास का चयन किया जाना चाहिए।
- विद्यार्थियों के लिए कक्षा में कम से कम 75% उपस्थिति अनिवार्य है। यदि उपस्थिति 75% से कम है, तो विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को सेमेस्टर के अंत की परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

नोट :

- प्रायोगिक पत्र वाले विषयों में, छात्रों को सैद्धांतिक परीक्षा के साथ–साथ आंतरिक परीक्षाओं और सेमेस्टर के अंत में होने वाली परीक्षाओं में प्रायोगिक परीक्षा भी देनी होगी। इस प्रकार, इन विषयों में छात्रों को चार बार परीक्षा देनी होगी।
- अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, हिंदी, इतिहास, मैथिली, गणित, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, संस्कृत और उर्दू विषयों में कोई प्रायोगिक परीक्षा नहीं होती है।

परिणाम (RESULTS)

पास (Pass) : जब कोई छात्र सभी विषयों की आंतरिक परीक्षा (CIA) और सेमेस्टर के अंत की परीक्षा न्यूनतम उत्तीर्ण अंकों के साथ उत्तीर्ण करता है।

फेल (Fail) : जब कोई छात्र आंतरिक और सेमेस्टर के अंत की परीक्षा में शामिल होता है और किसी भी परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्ण अंक प्राप्त नहीं कर पाता है। प्रत्येक विषय में आंतरिक और सेमेस्टर के अंत की परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

यदि कोई छात्र किसी एक विषय की आंतरिक परीक्षा में अनुपस्थित रहता है और उसकी सेमेस्टर के अंत की परीक्षा में शामिल होता है, तब भी वह अंतिम परिणाम में फेल माना जाएगा और ऐसे मामलों में, छात्रों को सेमेस्टर दोहराना होगा और सभी आंतरिक और सेमेस्टर के अंत की परीक्षा में शामिल होना होगा।

अगली कक्षा में पदोन्नत (Promoted) : जब कोई छात्र आंतरिक परीक्षा में उत्तीर्ण अंक प्राप्त करता है, लेकिन किसी कारणवश सेमेस्टर के अंत की परीक्षा के किसी भी या सभी विषयों में शामिल नहीं हो पाता है या उत्तीर्ण अंक प्राप्त नहीं कर पाता है, तो ऐसे मामलों में छात्र को अगले सेमेस्टर में पदोन्नत कर दिया जाएगा, लेकिन उसे अगले सत्र में उस विशेष सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल होकर सेमेस्टर के अंत की परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। उदाहरण के लिए, यदि सत्र 2026–27 के प्रथम सेमेस्टर के किसी छात्र को द्वितीय सेमेस्टर में पदोन्नत किया जाता है, तो उसे सत्र 2027–28 के प्रथम सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। ऐसे मामलों में छात्रों को आंतरिक परीक्षा में दोबारा बैठने की आवश्यकता नहीं होती है।

ग्रेडिंग प्रणाली (GRADING SYSTEM)

S.N.	Letter Grade	% Range	Numerical Letter Grade	Description of Grade
1	O	≥ 90 - 100	10	Outstanding
2	A+	≥ 80 <90	9	Excellent
3	A	≥ 70 <80	8	Very Good
4	B+	≥ 60 <70	7	Good
5	B	≥ 55 <60	6	Above Average
6	C	≥ 50 <55	5	Average
7	P	≥ 50 <45	4	Pass
8	F	< 45	0	Fail
9	Ab	0	0	Absent

PROGRAMME DURATION AND EXIT OPTIONS

S.N.	Stage of Exit	Mandatory Credits	Name of Award
1.	After the successful completion of Semester II	One Vocational Course of 4 Credits	Undergraduate Certificate
2.	After the successful completion of Semester IV	One Vocational Course of 4 Credits	Undergraduate Diploma
3.	After the successful completion of Semester VI	With all credits of Semester I-VI	Bachelor of Science/ Arts/ Commerce (Hons.)
4.	After the successful completion of Semester VIII	With all credits of Semester I-VIII	Bachelor of Science/ Arts/ Commerce (Hons. With Research)

नोट : स्नातक डिग्री को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए छात्र को पंजीयन पत्र जारी होने के वर्ष से अधिकतम 7 वर्ष की अवधि के भीतर पाठ्यक्रम को पूर्ण कर लेना (उत्तीर्ण होना) आवश्यक है। जो छात्र द्वितीय या चतुर्थ सेमेस्टर के बाद किसी अन्य पाठ्यक्रम में दाखिला लेने या किसी अन्य कारण से पढ़ाई छोड़ देते हैं, वे डिग्री पूरी करने के लिए निर्धारित 7 वर्ष की समय सीमा के भीतर पुनः प्रवेश ले सकते हैं।

Semester Grade Point Average and Cumulative Grade Point Average

Semester	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
Credit	20	20	20	20	20	20	20	20
SGPA	6.75	6.75	7.2	7.4	6.9	7.2	7.1	8.4

CGPA= Credit x SGPA of Sem I+II+III+IV+V+VI+VII+VIII/160 (Total Credit)
20 x 6.75 + 20 x 6.75 + 20 x 7.2 + 20 x 7.4 + 20 x 6.9 + 20 x 7.2 + 20 x 7.1 + 20 x 8.4= 1144/160= 7.2125

शुल्क संरचना (FEE STRUCTURE)

S.N.	Head/Item	Fee in Indian Rs.							
		Semester							
		I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
1.	**Part A**								
I	Admission Fee	350	250	250	250	250	250	250	250
II	Tuition Fee	600	600	600	600	600	600	600	600
III	Cultural Tarang	25	25	25	25	25	25	25	25
	(One time in each academic session)								
Total Part A		**975**	**875**	**875**	**875**	**875**	**875**	**875**	**875**
2.	**Miscellaneous Part B**								
I	Library	200	200	200	200	200	200	200	200
II	Electricity Fee	200	200	200	200	200	200	200	200
III	Identity Card	100	-	-	-	-	-	-	-
IV	NSS Fee	50	50	50	50	50	50	50	50
V	Building Maintenance Fund	100	100	100	100	100	100	100	100
VI	Medical Fee	100	100	100	100	100	100	100	100
VII	Athletics Fund	50	50	50	50	50	50	50	50
VIII	Common Room Fund	50	50	50	50	50	50	50	50
IX	Co-curricular Fee	50	50	50	50	50	50	50	50
X	Environmental Protection Fee	50	50	50	50	50	50	50	50
XI	Student Welfare Fee	30	30	30	30	30	30	30	30
XII	Student Union Fee	100	100	100	100	100	100	100	100
XIII	Society Subscription	50	50	50	50	50	50	50	50
XIV	Magazine Fund	50	50	50	50	50	50	50	50
XV	Handbook/Directory	50	-	-	-	-	-	-	-
Total Part B		**1280**	**1130**	**1130**	**1130**	**1130**	**1130**	**1130**	**1130**
Total Semester Fee Part A + B		**2225**	**2005**	**2005**	**2005**	**2005**	**2005**	**2005**	**2005**

- Lab Fee Rs. 600/- per semester for the subject having practical classes (Science subjects), Psychology & Geography.
- Field Visit - Actual expenditure at the time of the field visit to be paid by the student.
- Every student has to be registered after getting admission in any programme by paying Rs. 600/- and it will be called the University Registration Fee.
- Examination fees will be 600/- (Six Hundred Rupees) in each semester, and will be paid by the students at the time of filling the examination form.

समय–सारिणी और कक्षा संचालन (TIMETABLE AND CLASSES)

महाविद्यालय में कक्षाओं का संचालन महाविद्यालय के मास्टर समय सारणी के अनुरूप विभागों द्वारा तैयार विभागीय समय सारणी के अनुसार होता है। नए सी बी सी एस पाठ्यक्रम के प्रावधानों के अनुसार सैद्धांतिक पत्र की प्रत्येक कक्षा 1 घंटे की तथा प्रत्येक प्रायोगिक कक्षा 2 घंटे की होती है। प्रत्येक विभाग का वर्ग संचालन विभागाध्यक्ष द्वारा पूर्व निर्धारित समय और स्थान(कक्षा) में होता है। छात्रों को सलाह दी जाती है कि अपने पाठ्यक्रम के अलग–अलग पत्रों के लिए संबंधित विभाग से संपर्क कर अपने विषय/ पत्र के लिए निर्धारित समय और वर्ग–कक्ष का पता कर लेंगे।

सामान्य नियम (GENERAL RULES)

- महाविद्यालय परिसर में प्रवेश करते समय और परिसर में रहने की पूरी अवधि में छात्रों के लिए पहचान पत्र साथ रखना अनिवार्य है।
- प्रत्येक छात्र का यह कर्तव्य है कि वह प्रतिदिन समय पर कक्षा में उपस्थित हो। शिक्षकों के अवकाश पर रहने की स्थिति में, छात्रों को कक्षा में उपस्थित रहना चाहिए और उस अवधि के लिए निर्धारित कार्य करना चाहिए। कक्षा के समय के दौरान कोई भी छात्र अपने तय कक्षा से बाहर नहीं होना चाहिए।
- प्रधानाचार्य की अनुमति के बिना परिसर में पोस्टर या बोर्ड नहीं लगाए जाने चाहिए। छात्रों को कक्षा में मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करना चाहिए।
- छात्रों द्वारा की गई गलती के कारण महाविद्यालय के भवन, फर्नीचर, औजारों और उपकरणों को हुए नुकसान की भरपाई महाविद्यालय के क्षति पहुँचाने के कार्य में संलग्न सभी छात्रों पर सामूहिक जुर्माना लगाकर की जाएगी। इस तरह के किसी कार्य में संलग्न छात्र महाविद्यालय से निष्कासन के भागी हो सकते हैं।
- प्रधानाचार्य की अनुमति के बिना महाविद्यालय के भवनों या परिसर में कोई भी बैठक आयोजित नहीं की जानी चाहिए।
- महाविद्यालय परिसर में रैगिंग के किसी भी रूप को सख्ती से प्रतिबंधित करता है। इस तरह के किसी कार्य में संलग्न छात्र महाविद्यालय से निष्कासन के भागी हो सकते हैं ।
- छात्रों को नवीनतम सूचनाओं और अपडेट के लिए महाविद्यालय और विश्वविद्यालय की वेबसाइटों को देखने की सलाह दी जाती है।
- प्रत्येक छात्र को कक्षाओं में अधिकतम उपस्थिति सुनिश्चित करनी चाहिए। जिन छात्रों की उपस्थिति 75% से कम होगी, उन्हें सेमेस्टर के अंत (ESE) की परीक्षाओं में बैठने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।
- महाविद्यालय में स्टाफ, छात्रों और प्रबंधन के बीच एकता, आपसी विश्वास और सहयोग का माहौल बनाने में सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की जाती है।
- छात्र कूड़ा–कचड़ा कूड़ेदान में ही डालें तथा महाविद्यालय परिसर को साफ एवं स्वच्छ रखने में सक्रिय सहयोग दें।

नोट :

1. छात्र को अपने आंतरिक या प्रायोगिक परीक्षाओं में अनिवार्य तौर पर अपने पहचान पत्र और पूर्व की परीक्षा प्रवेश

पत्र साथ में लाना होगा, इसके बिना उन्हें परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

2. किसी दूसरे को अपनी जगह परीक्षा देने भेजना या दूसरे के बदले परीक्षा देने की कोशिश करना नामांकन रद्द होने तथा बिहार लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 के अनुरूप कानूनन दंड के भागी होने का आधार होगा।

महाविद्यालय प्रशासनिक इकाई (COLLEGE ADMINISTRATION)

महाविद्यालय का प्रशासन प्रधानाचार्य के कुशल नेतृत्व में एक टीम द्वारा संचालित किया जाता है, जिसमें आई. क्यू.ए.सी. (IQAC) समन्वयक, बर्सर, एन.एस.एस. (NSS) नोडल पदाधिकारी, परीक्षा–प्रभारी, खेल–प्रभारी और नामांकन– प्रभारी शामिल होते हैं। इनके साथ ही विचार–विमर्श के माध्यम से प्रधानाचार्य द्वारा चुने गये विभिन्न समितियों प्रकोष्ठों के संयोजक / समन्वयक और उनके अन्य संकाय सदस्य भी इस टीम का हिस्सा होते हैं। हमारे महाविद्यालय की प्रशासनिक इकाई के निम्नलिखित सदस्य हैं :

S. No.	Name of administrator	Designation	Additional Charge
01.	Prof. (Dr.) Dilip Kumar	Principal	
02.	Prof. (Dr.) Surendra Prasad	Head, Department of Chemistry	Coordinator, IQAC
03.	Dr. Rajeev Roushan	Head, Department of Political Science	Bursar
04.	Mr. Chandra Shekhar Singh	Head, Department of Botany	Sports In-charge
05.	Dr. Vinay Kumar Singh	Head, Department of Economics	Exam. Controller
06.	Dr. Premlata Sharma	Head, Department of Philosophy	NSS Programme Officer

महाविद्यालय की समितियाँ / प्रकोष्ठ (COMMITTEES/CELLS OF THE COLLEGE)

S. No.	Committees	Conveners/ Co-ordinators
01.	Admission Verification Committee	Dr. Rajeev Roushan Assistant Professor & Head Department of Political Science
02.	Anti-Ragging Cell & Disciplinary Committee	Prof. Surendra Prasad Professor & Head Department of Chemistry
03.	Advisory Committee on Library	Dr. Deepak Kumar Nair Assistant Professor & Head Department of History
04.	Internal Complaints Committee (ICC)	Dr. Archana Kumari Assistant Professor & Head Department of Hindi
05.	Grievance Redressal Cell	Prof. Surendra Prasad Professor & Head Department of Chemistry
06.	Cultural Committee	Dr. Ratna Krishna Jha Assistant Professor & Head Department of Maithili
07.	Differently Abled Care Cell	Dr. Prabhu Ranjan Singh Gond Assistant Professor & Head Department of Geography
08.	Career Counselling & Placement Cell	Prof. Surendra Prasad Professor & Head Department of Chemistry
09.	SC/ST & Minority Cell	Dr. Md. Zeyaul Haque Assistant Professor & Head Department of Urdu
10.	Website Management Committee	Dr. Sanjay Kumar Mahto Assistant Professor & Head Department of Mathematics
11.	College Magazine Committee	Mr. Santosh Kumar Assistant Professor & Head Department of Psychology
12.	College Internship Cell	Dr. Md. Zeyaul Huque, Dr. Pramod Kumar CINO, College Internship Nodal Officers.

महाविद्यालय अपने लक्ष्य और प्रतिबद्धता को अपनी प्रशासनिक व्यवस्था की रीढ़, शिक्षकेत्तर कर्मियों की सहायता से पूरा कर पाता है। हमारे महाविद्यालय के प्रशासनिक, परीक्षा, लेखा, पुस्तकालय एवं अन्य शैक्षणिकेत्तर गतिविधियों के सुचारु संचालन में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करने वाले हमारे महाविद्यालय कर्मी निम्नलिखित है :

शिक्षकेत्तर कर्मी (NON-TEACHING STAFF)

S. No.	Name of Staff	Designation	Office Name
01.	Mr. Mirtunjay Kumar	Head Assistant	General Section
02.	Mr. Thakur Bhartendu Jee	Accountant	Account Section
03.	Mr. Nitesh Kumar	LDC	General Section
04.	Mr. Mukesh Kumar	LDC	General Section/Library
05.	Mr. Prabhash Kumar	LDC	General Section
06.	Mr. Suresh Jha	4th Grade	General Section
07.	Mr. Rakesh Kumar	4Th Grade	General Section
08.	Mrs. Sweeta	Library Assistant (O.S.)	Library
09.	Mr. Amit Kumar	Data Entry Operator (O.S.)	Exam. Dept.
10.	Mr. Raushan Kumar	Data Entry Operator (O.S.)	General Section
11.	Mr. Sonu Kumar	MTS (O.S.)	Exam. Dept
12.	Mrs. Kanchan Kumari	MTS (O.S.)	General Section

विगत सत्र के दौरान महाविद्यालय में आयोजित कुछ प्रमुख गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण और कुछ झलकियां :

महाविद्यालय में पठन–पाठन की प्राथमिकता के साथ–साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास और अकादमिक गतिविधियों के इतर अन्य पक्षों में भी उनके अभिरुचि और कौशल निर्माण हेतु विभिन्न अवसरों पर महाविद्यालय के विभागों और इकाइयों द्वारा अलग–अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। पिछले शैक्षणिक सत्र के दौरान आयोजित कुछ प्रमुख गतिविधियों में 2025 के जुलाई माह में नए छात्रों के लिए प्रेरण–सह–उन्मुखी कार्यक्रम, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम, तथा 29 अगस्त को खेल दिवस आयोजन प्रमुख था। सितंबर के पहले सप्ताह में आयोजित शिक्षक दिवस और अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के कार्यक्रम, सितंबर के दूसरे सप्ताह में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कविता पाठ प्रतियोगिता, तीसरे सप्ताह में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस पर भाषण प्रतियोगिता और राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) दिवस का कार्यक्रम शामिल थे। अक्टूबर माह में 'गाँधी जयंती' पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। नवंबर में, 'विश्व धरोहर दिवस' पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया, नवंबर के ही अंतिम सप्ताह में 'संविधान दिवस' पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के अतिरिक्त साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। दिसंबर माह में 'विश्व एड्स दिवस' पर एन. एस. एस. इकाई द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ और इसके बाद जंतु विज्ञान विभाग की तरफ से एक विशेष व्याख्यान का आयोजन संपन्न हुआ, इसी माह में विश्व हिंदी दिवस पर हिंदी विभाग की तरफ से एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम, मानवाधिकार दिवस पर वाद–विवाद प्रतियोगिता, तथा लोक–कवि भिखारी ठाकुर की जयंती और पेरियार स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में भी कार्यक्रम आयोजित हुए।

जनवरी 2026 में, राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा सावित्री बाई फुले और फातिमा शेख की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वामी विवेकानंद की जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) पर एक सप्ताह का विस्तृत आयोजन एन.एस.एस. इकाई द्वारा किया गया जिसमें , पोस्टर बनाने, रंगोली, भाषण, निबंध और नारा–लेखन (Slogan Writing), कविता, क्विज, गीत–संगीत और पारंपरिक परिधान से जुड़ी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जनवरी के अंतिम सप्ताह में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता (स्पोर्ट्स–मीट) का आयोजन हुआ। फरवरी में वसंतोत्सव मनाया गया और मार्च में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय के पुस्तकालय द्वारा नमक सत्याग्रह पर एक संगोष्ठी आयोजित की गयी। अप्रैल में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी को आयोजन हुआ। भूगोल विभाग द्वारा पृथ्वी दिवस पर एक विशेष व्याख्यानमाला, रसायन विज्ञान विभाग द्वारा एक विशेष व्याख्यान और अंग्रेजी विभाग द्वारा बुद्ध जयंती पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया तथा उर्दू विभाग द्वारा जून में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पखवारा के अवसर पर ''मानव जीवन में योग का महत्व'' कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। उपर्युक्त गतिविधियों में, कार्यक्रम की योजना बनाने, इनमें प्रतिभागी बनने तथा कार्यक्रम का संचालन करने जैसी सभी कार्यों में छात्रों की अधिकतम भागीदारी पर जोर दिया गया है।

छात्र/छात्राओं के अध्ययन को सुविधाजनक बनाने के लिए महाविद्यालय में पढ़ाये जाने वाले सभी 16 विषय के स्नातक सेमेस्टर–I (मेजर) का पाठ्यक्रम निम्नलिखित है।

स्नातक सेमेस्टर–1 (MJC) का पाठ्यक्रम
(SYLLABUS OF UG SEMESTER - I MJC COURSES

ECONOMICS (MAJOR)

MJC-01 : Introductory Microeconomics

Unit 1 - Exploring the subject matter of Economics:

Definition of Economics, Need, Scope and Methods of Economics, Nature and subject matter of Economics, Problem of scarcity and choice, Central Problems of Economy-

Unit 2 - Supply and Demand :

(a) Concept and types of demand, determinants of individual demand/supply : demand and demand function, theory of demand and law of demand and supply, exceptions to law of demand, demand and supply schedule and demand/supply curve demand for complementary and substitute goods, market versus individual demand/supply, shifts in the demand/supply curve, demand and supply together, elasticity of demand and supply, determinants, measurement and application static and dynamic demand, consumer surplus

(b) The theory of Consumer Behaviour: Cardinal and Ordinal utility analysis.

Unit 3 - The Firm and Market Structure:

Nature of firm, organizing economic activity in a firm, Objective of a firm: Profit maximization vs-sales maximization, Introduction to basic idea of equilibrium of a firm, conditions for producers equilibrium in short run and long run for firms and industry: total and marginal approach- Basic ideas of market- Concept and types of cost and revenue; total, average and marginal concepts-Classification of market, time element in market, Characteristics of Different Market Structures, along with relevant examples-

Unit 4 - The Markets for the Factors of Production:

Labour market : Basic concepts] derived demand, productivity of an input, marginal productivity of labour, marginal revenue product, demand for labour, backwar-bending supply curve of labour, sex policy and labour supply, labour force participation, determination of wage rate in a perfectly competitive labour market

ENGLISH (MAJOR)

MJC-01 : Indian Classical Literature

Unit 1: Kalidasa's Abhigyan Shakuntalam -

Translated by Chandra Rajan in Kalidasa: The Loom of Time, New Delhi: Penguin, 1989.

Unit 2: Vyasa "The Dicing," The Sequel of Dicing" and "The Book of Assembly Hall" in Mahabharata.

Translated and Edited by J. A. B. van Buitenen. Chicago : Brill, 1975. Pp. 106–169. Therigatha:

Poems included in Women's Writings in India, eds. Tharu and Lalitha. Oxford University Press, 1997.

Unit 3: Sudraka Mrichchhakatika

Translated by M- M- Ramachandra Kale- New Delhi: Motilal Banarsidass, 1962-

Unit 4: Valmiki: Bala-Kand from Invocation to the Birth of Ram of The Ramayana (I to XIX)

Translated by Ralph T- H- Griffith- London: Trubner and Co., Banaras] E. S. Lazarus, 1870–74- E & Book, 18 March 2008.

GEOGRAPHY (MAJOR)

MJC-01 : Geomorphology (Theory)

Unit-1 : Nature of the scope of Geomorphology

a. Origin of the Earth b- Nebular, tidal and Big Bang theory c. Internal structures of Earth

Unit- 2 : Isostasy

a. Concept of Airy and Pratt b- Wegener's continental drift theory c. Plate Tectonics

Unit - 3 : Mountain Building

a. Theories of Kober and Holmes b- Earthquake c. Volcanoes

Unit-4 : Geomorphic Processes

a. Weathering and Erosion b. Normal Cycle of Erosion & Davis and Penck c. Evolution of Landforms d. Glacial e. Arid and Karst Topography

MJC-01: Geomorphology (Practical)

Unit - 1 : Scale and its types: Rocks and Minerals, Properties and Identification.

Unit - 2 : Contour Lines, Cross-section and Representation of Relief.

Unit - 3: Interpretation of Topographical Map and Use Conventional Signs and Symbols.

HINDI (MAJOR)

MJC-01: हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल से रीतिकाल तक

इकाई –1 : आदिकाल

1) आदिकाल का नामकरण, समय सीमा, और प्रवृत्तियां।

2) सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य और विद्यापति। गोरखनाथ। अमीर खुसरो का अध्ययन।

इकाई –2 : भक्ति काल

1) भक्ति काल की पृष्ठभूमि, निर्गुण (संत और सूफी) व सगुण (राम और कृष्ण) भक्ति धाराएं।

2) सूरदास (भ्रमरगीत सार) और तुलसीदास (रामचरितमानस) के चुनिंदा पद।

इकाई –3 : रीतिकाल

1) रीतिकाल का नामकरण, समय सीमा और प्रवृतियां (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) ।

इकाई– 4 : आधुनिक काल (संक्षिप्त परिचय)

1) भारतेंदु युग, द्विवेदी युग और छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियां।

इकाई –5 : हिंदी गद्य का विकास

1) हिंदी गद्य की विभिन्न विधाएं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध) और उनका विकास।

इकाई –6 : साहित्येतिहास की चुनौतियां

1) इतिहास लेखन परंपरा, काल विभाजन, और साहित्य की पृष्ठभूमि।

HISTORY (MAJOR)

MJC - 01 : Idea of Bharat

Unit I: Concept of Bharatvarsha

a. Survey of Sources
b. Understanding of Bharatvarsha
c. Eternity of synonyms Bharat
d. Indian concept of time and space
e. The glory of Indian Literature: Veda, Vedanga, Upanishads, Epics, Jain and Buddhist Literature, Smriti, Puranas, etc-

Unit II: Indian Knowledge Tradition, Art, and Culture

a. Evolution of script and language: Brahmi, Kharoshthi; Sanskrit, Pali, Prakrit and Abhatta etc-
b. Salient features of Indian Art and Culture
c. Indian Education System
d. The Ethics and Social Value System

Unit III: Dharma, Philosophy and Vasudhaiva Kutumbakam

a. Indian perception of Dharma and Darshan
b. The concept of Vasudhaiva Kutumbakam: Man, Family, Society and World
c. Polity and Governance: Concept of Janadapa and Local Administration (Gram Swarajya)

Unit IV: Science, Environment and Medical Science

a. Science and Technology in Ancient India
b. Environmental Conservation: Indian View
c. Health Consciousness of Early Society: Ayurveda, Yoga, and Naturopathy

Unit V : Indian Economic Traditions

a. Indian Economic Thoughts
b. Concept of Land, Forest and Agriculture
c. Industry, Inland Trade and Commerce
d. Maritime Trade

MAITHILI (MAJOR)

MJC-01: मैथिली साहित्यक आदिकाल एवं मध्यकाल

इकाई 01 :

(क) काल विभाजन
(ख) आदिकालीन सामग्री
(ग) प्रमुख सिध्दाचार्य
(घ) डाक वचन

इकाई 02 :

(क) ज्योतिरिश्वरक जीवन परिचय
(ख) वर्णरत्नाकरक साहित्यिक परिचय
(ग) वर्णरत्नाकर (प्रथम एवं द्वितीय कल्लोल मात्र
(घ) ज्योतिरीश्वरक अन्य साहित्य

इकाई 03 : 'नेपालक मैथिली नाटक

(क) उद्‌भव
(ख) परंपरा
(ग) वैशिष्ट्य
(घ) हरगौरी विवाह
(ड.) कथावस्तु
(च) चरित्रदृचित्रण
(छ) नाटककार जगतज्योतिर्मल्लक परिचय

इकाई 04 : 'आसामक मैथिली नाटक

(क) उद्‌भव
(ख) परंपरा
(ग) वैशिष्ट्य
(घ) रामविजय
(ड.) कथावस्तु
(च) चरित्र–चित्रण
(छ) नाटककार शंकरदेवक परिचय

इकाई 05 : 'मिथिलाक मैथिली नाटक

(क) उद्‌भव
(ख) परंपरा
(ग) वैशिष्ट्य
(घ) कीर्तनियां नाटक वा नाच
(ड.) परिजात हरण
(च) कथावस्तु
(छ) चरित्रदृचित्रण
(ज) नाटककार उमापतिक परिचय

इकाई 06 :

(क) आदिकालक सामाजिक, सांस्कृतिक स्थिति
(ख) आदिकालक धार्मिक, आर्थिक स्थिति
(ग) मध्यकालक सामाजिक, सांस्कृतिक स्थिति
(घ) मध्यकालक धार्मिक, आर्थिक स्थिति

PHILOSOPHY (MAJOR)

MJC- 01: Deductive Logic

Unit -1

(a) Subject Matter and Branches of Logic
(b) Nature and classification of Term, Proposition, and Argument
(c) Truth and Validity

Unit -2

(a) Symbolisation of Propositions
(b) Statement and statement forms

(c) Argument and argument forms

(d) Test of Truth and Validity through truth table

Unit -3

(a) Classification of Categorical Propositions according to Quality and Quantity

(b) Distribution of Terms and Square of Opposition

(c) Immediate Inference: Conversion and Obversion

Unit -4

(a) Categorical Syllogism

(b) Syllogistic Rules and Fallacies

Unit -5

(a) Boolean interpretation of Proposition: Venn Diagram Technique of Testing the Validity of Syllogism.

POLITICAL SCIENCE (MAJOR)

MJC- 01: Understanding Political Theory

Unit -1:

- What is Politics: Theorizing the 'Political' Meaning, Nature and Scope of Political Science.
- Growth of Political Science as a Discipline: Traditionalism, Behaviouralism and Post-behaviouralism.
- State of Political Theory Today: Decline or Resurgence.

Unit-2:

- Schools of Political Theory: Liberal, Marxist, Socialist, and Anarchist.

Unit-3

- Approaches to Political Theory: Normative, Historical, Legal, and Institutional and Empirical.
- State: Elements, Origin, and Development.
- Sovereignty: Meaning, Schools: Monism and Pluralism.
- Liberty and Equality.
- Justice and Rights.
- Democracy: Meaning, types- Direct and Indirect, and theories and related Debates.

Unit-4

- Critical and Contemporary perspective in Political theory: Feminism and Post- Modernism, Environmentalism and Neo- Liberalism.

PSYCHOLOGY (MAJOR)

(THEORY)

MJC- 01: Introduction to General Psychology

Unit 1 : Introduction

1.1. Psychology as a scientific study of behaviour, Sub-fields, and applications of Psychology.

1.2. Perspectives of Psychology- Psychodynamic, Behavioural, Cognitive, Humanistic, and Positive.
1.3. Methods- Experimental, Interview, and Case study.

Unit 2: Learning and Memory

2.1. Learning- Meaning, Theories of learning: Classical conditioning, Instrumental conditioning, and Observational learning.
2.2. Memory- Sensory, STM, and LTM, Forgetting and Its Causes.

Unit 3: Motivation and Emotion

3.1. Motivation- Nature and types, Need-hierarchy model.
3.2. Emotion- Nature, Bodily changes in emotion.
3.3. Theories of emotion- James-Lange theory, Cannon-Bard theory, and Schachter-Singer theory.
3.4. Emotional Intelligence- Meaning, Dimensions, and Implications.

Unit 4: Individual Differences

4.1. Intelligence- Nature and Theories: Spearman's Two-factor theory, Thurstone's theory, and Sternberg's Triarchic theory of intelligence.
4.2. Personality- Nature, Determinants and theories, Freud, Social cognitive theory, Big Five factor theory.

MJC- 01 : PSYCHOLOGY MAJOR
(PRACTICAL)

1. Transfer of Training
2. Learning by Serial recall.
3. Zeigarnik Effect.
4. Effect of Knowledge of result on performance.
5. Retroactive Inhibition.

SANSKRIT (MAJOR)
MJC - 01 : संस्कृत व्याकरण

इकाई – 1 : संज्ञाप्रकरण

इकाई –2 : सन्धि प्रकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार)

क) स्वर सन्धि
ख) व्यंजन सन्धि
ख) विसर्ग सन्धि

इकाई –3 : सुबन्त, तिङ्न्त एवं लकार परिचय

इकाई –4 : अनुवाद

URDU (MAJOR)

MJC- 01: Study of Urdu Fiction

Unit 1: Dastan

a. Dastan, Tareef, and History

b. Meer Amman ki Dastan Nigari with special reference to Bagh-o- Bahar (Sair Pahle Darwesh ki text).

Unit 2: Novel

a. Novel, Tareef, Ajzaye Tarkeebi, and history

b. Deputy Nazir Ahmad ki Novel Nigari with special reference to "Taubatun Nasooh".

Unit 3: Afsana

a. Afsana, Tareef, Ajzaye Tarkeebi, and History

b. Premchand ki Afsana Nigari with special study of the text of Afsana "Poos ki Raat".

Unit 4: Drama

a. Drama, Tareef, Ajzaye-Tarkeebi, and Tareekh

b. Imteyaz Ali Taj ki drama nigari with special study of Drama "Anar Kali" (Text).

BOTANY (MAJOR)

MJC- 01 : Theory (Phycology and Microbiology)

Unit -1:

Classification of Plant Kingdom and their important features (Whittaker 1969)

Unit -2:

Algae: General characteristics; Classification; Range of thallus organization and reproduction; Significant contributions of important Phycologists (F.E. Fritsch, G.M. Smith, H.D. Kumar, M.O.P. Iyengar); Structure, Life history, and affinities of the following genera: Nostoc, Volvox, Oedogonium, Chara, Vaucheria, Batrachospermum, and Ectocarpus; Economic Importance of Algae

Unit -3:

Virus: Discovery, Nature and General structure, DNA virus (Bacteriophage)- Structure and its replication (Lytic and lysogenic Cycle), RNA virus (TMV), Corona virus (elementary idea); Economic importance of viruses

Unit -4:

Bacteria: Discovery, Characteristics and Cell Structure, Types- Archaebacteria and Eubacteria, Reproduction- vegetative, asexual and genetic recombination (Conjugation, Transformation and Transduction); Economic importance of bacteria with reference to their role in agriculture and industry; Role of Microbes in Biological nitrogen fixation; General account of Mycoplasma.

MJC- 01 : BOTANY MAJOR

(PRACTICAL)

1. Electron micrographs/Models of viruses: T-Phage and TMV
2. Line drawings/Photographs of Lytic and Lysogenic Cycle

3. Types of Bacteria to be observed from photographs
4. Gram staining of bacteria
5. Phycology: Study of vegetative and reproductive structures of the forms prescribed in the syllabus through temporary slides preparation.

CHEMISTRY (MAJOR)

(THEORY)

MJC-01: Inorganic Chemistry, Atomic Structure, Chemical Bonding, and Fundamentals of Organic Chemistry (Theory)

Unit-1: Atomic Structure:

Bohr's Theory, its limitations, and atomic spectrum of hydrogen atom. Wave mechanics: de Broglie equation, Heisenberg's Uncertainty Principle and its significance, Schrodinger's wave equation, significance of wave function.

Quantum Numbers and their significance. Normalized and orthogonal wave functions. Sign of wave functions. Radial and angular wave functions for hydrogen atom. Radial and angular distribution curves. Shapes of s, p, d, and f orbitals. Contour boundao and probability diagrams.

Pauli's Exclusions Principle, Hund's Rule of Maximum Multiplicity, Aufbau's principle and its limitations, Variations of orbital energy with atomic number.

Unit-2: Chemical Bonding:

Ionic bond: General characteristics, types of ions, size effects, radius ratio rule, and its limitations. Packing of ions in crystals. Born-Lande equation with derivation and importance of Kapustinskii expression for lattice energy. Madelung constant, Born-Haber cycle, and its application, Solvation energy.

Covalent bond: Lewis's structure, Valence Bond Theory (Heitler-London approach). Energetics of hybridization, equivalent and non-equivalent hybrid orbitals. Bent's rule, Resonance and resonance energy, Molecular orbital theory. Molecular orbital diagrams of diatomic and simple polyatomic molecules N_2, 0_2, C_2 B_2, F_2 & CO, NO_2 and their ions; hydrogen chloride, berrylium fluoride, carbon dioxide, (idea of s-p mixing and orbital interaction to be given). Formal charge, Valence shell electron pair repulsion theory (V SEP R), shapes of simple molecules and ions containing lone pairs and bond pairs of electrons, multiple bonding (sigma and pi bond approach), and bond lengths.

Covalent character in ionic compounds, polarizing power, and polaizability. Fajan's rule and consequences of polarization. Ionic character in covalent compounds: Bond moment, dipole moment, and electronegativity difference.

Metallic bond: Qualitative idea of valence bond and band theories. Semiconductors and insulators, defects in solids.

Weak Chemical Forces: van der Waals forces, ion-dipole forces, dipole-dipole interactions, induced dipole interactions, and instantaneous dipole-induced dipole interactions. Repulsive forces, Hydrogen Bonding (theories of hydrogen bonding, valence bond treatment), Effects of chemical force- melting and boiling points, solubility energetics of dissolution process.

Organic Chemistry: Fundamentals, Sterochemist and Hydrocarbons

Unit-3: Fundamentals of Organic Chemistry:

Physical Effects, Electronic Displacements; Inductive Effect, Electromeric Effect, Resonance and Hyperconjugation. Cleavage Of Bonds: Homolysis and Heterolysis.

Structure, shape, and reactivity of organic molecules, Nucleophiles and electrophiles. Reactive Intermediates: Carbocations, Carbanions, and Free Radicals.

Strength of organic acids and bases: Comparative study with emphasis on factors affecting K values. Aromaticity: Benzenoids and Hückel's rule.

Unit-4: Stereochemistry

Conformations with respect to ethane, butane, and cyclohexane. Interconversion of Wedge Formula, Newmann, Sawhorse, and Fischer representations. Concept of chirality (up to two carbon atoms). Configuration: Geometrical and Optical isomerism; Enantiomerism, Diastereomerism, and Meso compounds. Threo and erythro; D and L; cis - trans nomenclature; CIP Rules: R/ S (for up to 2 chiral carbon atoms) and E / Z Nomenclature (for up to two s stems.

Unit-5: Aliphatic Hydrocarbons:

Functional group approach for the following reactions (preparations & reactions) to be studied in context to their structure.

Alkanes: (Up to 5 Carbons). Preparation: Catalytic hydrogenation, Wurtz reaction, Kolbe's synthesis, from Grignard reagent. Reactions: Free radical Substitution: Halogenation.

Alkenes: (Up to 5 Carbons) Preparation: Elimination reactions: Dehydration of alkenes and dehydrohalogenation of alkyl halides (Saytzeff's rule); cis alkenes (Partial catalytic hydrogenation) and trans alkenes (Birch reduction). Reactions: cis-addition (alk. KMn04) and trans-addition (bromine), Addition of HX (Markownikoff's and anti-Markownikoff's addition), Hydration, Ozonolysis, oxymecuration-demercuration, Hydroboration-oxidation. Alkynes: (Up to 5 Carbons) Preparation: Acetylene from CaC2 and conversion into higher alkynes, by dehalogenation of tetrahalides and dehydrohalogenation of vicinal-dihalides.

Reactions: formation of metal acetylides, addition of bromine and alkaline KMn04, ozonolysis, and oxidation with hot alkali. KMn04.

MJC-01: CHEMISTRY (MAJOR)
(PRACTICAL)

Practical 1. Inorganic Chemistry Practical

A. Acidimetry and Alkalimetry

B. Preparation and dilution of standard solutions

    a. Permangnatometry / dichromatry

    b. Iodometry/ iodimetry

Practical 2. Organic Chemistry Practical

Detection of elements, separation and purification of Organic Compounds, and Hydrolysis of esters.

MATHEMATICS (MAJOR)

MJC- 01 : Algebra

Unit 1: Trigonometry

Polar representation of complex numbers, De-Moivre's theorem and its applications, Logarithms of complex quantities, Hyperbolic functions, Gregory series, Summation of series, Resolution into factors.

Unit 2: Set Theory

Cartesian product of sets, Equivalence relations, partition, partial and total order relation Functions, Composition of functions, Invertible functions, Cardinality of a set, Countable and Uncountable sets, Cantor's theorem.

Unit 3: Number Theory

Well-ordering property of positive integers, Division algorithm, Euclidean algorithm, Fundamental Theorem of Arithmetic, Modular arithmetic, and basic properties of congruences, Principle of mathematical induction.

Unit 4: Matrix

Matrices, Operation on Matrices, Kinds of Matrices, Transpose, symmetric & skew symmetric matrices, Hermitian, skew Hermitian Matrices, Adjoint and Inverse of a matrix, orthogonal matrix, Solution of a system of linear equations by matrix methods. Echelon forms, Rank of a matrix.

Unit 5: Theory of equations

Fundamental theorem of Algebra, Relation between roots and coefficients of a polynomial equation, Symmetric Function of roots, Transformation of equation, Descartes rule of Signs, Solution of Cubic equation (Cardon's method), and bi-quadratic equation (Euler's method).

PHYSICS MAJOR

(THEORY)

MJC- 01: Introduction to Mathematical Physics & Classical Mechanics

Unit I: Concept of Differentiation and Integration

a. Differential Calculus: Geometric meaning of derivative; maxima and minima; approximation of derivative; partial differentiation; approximation using Taylor and binomial series
b. Integral Calculus: Geometric meaning of integration
c. Differential Equations: Order and degree of differential equation
d. Solution of First Order Differential Equations: Homogeneous and non- homogeneous equations
e. Integrating factor; exact and inexact differentials
f. D-operator method and solution of second-order differential equations

Unit II: Vector Algebra and Vector Calculus

a. Vector triple products and their significance

b. Concept of scalar and vector fields
c. Gradient of scalar function
d. Divergence and curl of vectors
e. Physical applications in Physics: Equation of continuity, Euler's equation of motion, Bernoulli's theorem
f. Fourier heat flow; Poisson's and Laplace's equations in gravitational field
g. Gauss's law in electrostatics

Unit III: Fundamentals of Dynamics

a. Inertial and non-inertial frames of reference
b. Rotating frame of reference
c. Centrifugal and Coriolis forces and their applications
d. Effects on value of 'g' and motion of freely falling bodies
e. Geophysical effects
f. Foucault pendulum and proof of rotation of Earth

Unit IV: Centre of Mass Frame and Central Forces

a. Lab frame and centre of mass frame
b. Two-dimensional collision in physical problems
c. Relation between scattering angle, recoil angle, and final velocities in C-frame and L-frame
d. Cross-section and Rutherford scattering
e. Central forces and their equations
f. General equation of central orbit
g. Kepler's laws of planetary motion
h. Artificial satellites

MJC- 01: PHYSICS MAJOR
(PRACTICAL)

a. Elementary measuring apparatus – Use of vernier caliper, screw gauge, and spherometer.
b. To determine least count of (i) Travelling Microscope, (ii) Spectrometer, (iii) Polarizer.
c. To evaluate value of 'g' using bar pendulum.
d. To evaluate value of 'g' using Kater's pendulum.
e. To verify conservation of linear momentum using curved track apparatus.
f. To determine Young's modulus of elasticity by flexure of beam.
g. To determine elastic constants for the material of a wire by Searle's method.
h. To determine surface tension by method of ripples / capillary tube.
i. To determine coefficient of viscosity of liquid by Stokes method / Poiseuille's method.
j. To study motion of spring-mass system and evaluate spring constant/value of 'g'. k. To evaluate average error, standard deviation, and percentage error in measurement of focal length of a concave mirror / convex lens.

ZOOLOGY MAJOR
(THEORY)
MJC- 01: Diversity of Non-Chordates

Unit 1:

1.1. Introduction to Non-Chordates: General characteristics and classification (up to order) of the following Phyla: Protozoa, Porifera, Cnidaria, Ctenophora, Platyhelminthes, Nemathelminthes, Annelida, Arthropoda, Mollusca, and Echinodermata.

Unit 2:

2.1. Protozoa: Structure and Life Cycle of Paramecium, Plasmodium, and Leishmania donovani.

2.2. Porifera: Spicules and Canal system in sponges; affinities of the Phylum.

Unit 3:

3.1. Cnidaria: Structure and Life Cycle: Obelia and Aurelia.

3.2. Ctenophora: General organization of Hormiphora; affinities of the phylum.

3.3. Platyhelminthes and Nemathelminthes: Structure and Life Cycle of Fasciola hepatica, Taenia solium, and Ascaris lumbricoides.

Unit 4:

4.1. Annelida: Earthworm and Leech: Structure, locomotion, alimentary anal and reproduction.

4.2. Arthropoda: Palaemon and Peripatus, Adaptive variations in insect mouth parts.

4.3. Mollusca: Structure and Life Cycle: Unio. Pila, Torsion and Detorsion in Gastropoda.

4.4. Echinodermata: Structure: fish; Larval forms in Echinoderms; water Vascular system in Echinoderms.

MJC- 01: ZOOLOGY MAJOR
(PRACTICAL)

1. Study of whole mount of Euglena, Amoeba, Paramecium, Monocystis: Binary fission and Conjugation in Paramecium
2. Study of Sycon; T.S. of Sycon, L.S. of Sycon; Gemmule, Hyalonema
3. Permanent stained preparation of spicules of sponges.
4. Study of Obelia, Aurelia, Matridium, Physalia.
5. Specimen/Slide of any one Ctenophore
6. Study of adult Fasciola hepatica, Taenia solium, and Ascaris (male & female).
7. Study of Aphrodite, Septal nephiridia and Ovary of Earthworm; Jaws of leech; Trochophore larva.
8. Study of T.S. through pharynx, gizzard, and typhlosolar region of earthworm.
9. Study of Limulus, Scolopendra, Grasshopper, Phyllium, Praying mantis, Palaemon, Sacculina, Cancer, Eupagurs, Apis, Musca. Salivary gland of Cockroach, Mouth parts of the mosquito.
10. Study of Chiton, Dentalium, Octopus, and Glochidium larva.
11. Study of Asterias, Echinus, Antedon

(नोट : सेमेस्टर–1 में मेजर (MJC) के अलावा Minor, IDC, AEC, VAC तथा SEC के पाठ्यक्रम की जानकारी के लिए संबंधित विभाग से सम्पर्क करें)

GPS Map Camera
Musa Pur, Bihar, India
Vq5c+x5c, Rnar College Rd, Srikrishnapuri,
Musa Pur, Bihar 848101, India
Lat 25.860047° Long 85.770117°

RAM NIRIKSHAN ATMA RAM COLLEGE
SAMASTIPUR
A Constituent Unit of Lalit Narayan
Mithila University, Darbhanga)
DEPARTMENT OF HISTORY
EDUCATIONAL TOUR
Date:- 11-03-2025

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण करते विधान परिषद सदस्य माननीय तरुण कुमार एवं प्रधानाचार्य व अन्य शिक्षकगण

पौधा रोपण करती माननीया विधायक अश्वमेध देवी (सदस्य, बिहार विधान सभा, समस्तीपुर) प्रधानाचार्य एवं महाविद्यालय परिवार के अन्य सदस्य

वार्षिक खेल-कुद प्रतियोगिता का शुभारम्भ करती मेयर श्रीमति अनिता राम, प्रधानाचार्य एवं महाविद्यालय परिवार के अन्य सदस्यगण

अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर माननीय श्री सर्वेश कुमार (सदस्य, बिहार विधान परिषद्) को सम्मानित करते प्रधानाचार्य एवं महाविद्यालय परिवार के सदस्यगण

राम निरीक्षण आत्माराम महाविद्यालय, समस्तीपुर

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा की अंगीभूत इकाई

स्थापित सन्-1968

फोन : 062-74222168, ईमेल : principalrnar@yahoo.in, बेवसाईट : www.rnarlnmu.ac.in

Printed by : **Choudhary Offset Printers,** Abulas Lane, Macchua Toli, Patna - 4, Mob. : 9835253591